

GURUJI SUNIL CHAUDHARY

जिंदगी में आगे बढ़ने के 5 आसान राज



★
आपकी बेहतर,
आजाद और सफल
जिंदगी की शुरुआत
यहीं से करें!



सही सोच
स्पष्ट दिशा



मजबूत आदतें
सकारात्मक माइंडसेट



लगातार एक्शन
बड़ा परिणाम

DIGITAL SUCCESS COACH | DIGITAL COACH BUSINESS MENTOR

Introduction

क्या आपकी जिंदगी में मेहनत कम है या सही चीज़ की कमी है?

एक बात पूछूँ?

आपने कभी ऐसा महसूस किया है कि **मैं मेहनत तो कर रहा हूँ, लेकिन जिंदगी आगे नहीं बढ़ रही?**

सुबह उठते हैं।

काम करते हैं।

कुछ नया सीखते हैं।

YouTube देखते हैं।

कभी कोई मोटिवेशनल वीडियो देख लेते हैं।

कभी कोई किताब पढ़ लेते हैं।

कभी सोचते हैं कि अब जिंदगी बदलनी है।

फिर दो-चार दिन जोश आता है।

और उसके बाद...

फिर वही पुरानी जिंदगी।

वही काम।

वही चिंता।

वही पैसे की टेंशन।

वही “कल से शुरू करूँगा।”

और वो कल...

कई बार सालों तक नहीं आता।

मैं Sunil Chaudhary हूँ।

मैंने पिछले कई सालों में हजारों लोगों को अपने Career, Business और जिंदगी में आगे बढ़ने की कोशिश करते देखा है।

मैंने बहुत सफल लोगों को भी देखा है।

और ऐसे लोगों को भी देखा है जिनमें Talent था, मेहनत थी, Knowledge थी, लेकिन फिर भी वो वहीं खड़े रहे।

एक समय के बाद मुझे एक बात बहुत साफ दिखाई देने लगी।

सिर्फ मेहनत से जिंदगी आगे नहीं बढ़ती।

मेहनत जरूरी है।

लेकिन मेहनत के साथ कुछ और चीजें भी चाहिए।

और यही इस छोटी सी किताब का पूरा खेल है।

जिंदगी बदलने के लिए आपको 100 चीजें नहीं चाहिए

आज Internet खोलिए।

आपको Success के हजारों Formula मिल जाएंगे।

कोई कहेगा सुबह 5 बजे उठो।

कोई कहेगा Meditation करो।

कोई कहेगा 10 किताबें पढ़ो।

कोई कहेगा नया Skill सीखो।

कोई कहेगा Network बनाओ।

कोई कहेगा पैसे को समझो।

कोई कहेगा Mindset बदलो।

सब अपनी जगह सही हो सकते हैं।

लेकिन सवाल यह है:

इन सबमें से सबसे जरूरी क्या है?

क्या आपको जिंदगी बदलने के लिए 100 चीजें चाहिए?

मेरे अनुभव में...

नहीं।

आपको बहुत सारी चीजें नहीं चाहिए।

आपको कुछ **सही चीजें सही जगह पर** चाहिए।

और आज मैं आपको ऐसी ही **5 चीजों** के बारे में बताने वाला हूँ।

इन पाँचों को मैं **5 Secrets** कहता हूँ।

क्योंकि ये ऐसी बातें हैं जिन्हें हम जानते तो हैं...

लेकिन अक्सर समझते नहीं हैं।

और यही फर्क बहुत बड़ा है।

एक छोटी सी बात पहले समझ लीजिए

मैं आपको कोई जादू बेचने नहीं आया हूँ।

मैं यह नहीं कहूँगा कि ये किताब पढ़ते ही अगले महीने आपकी जिंदगी बदल जाएगी।

मैं आपको यह भी नहीं कहूँगा कि आपको कोई मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

ऐसा बोलना आसान है।

लेकिन सच नहीं है।

जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए मेहनत करनी पड़ती है।

लेकिन सही सवाल यह है:

क्या आपकी मेहनत सही दिशा में जा रही है?

क्योंकि अगर आप गलत दिशा में बहुत तेज भाग रहे हैं...

तो आपकी Speed आपकी मदद नहीं करेगी।

आप बस गलत जगह जल्दी पहुँच जाएंगे।

यह बात मैंने अपनी जिंदगी में भी सीखी है।

कई बार मुझे लगा कि मैं बहुत मेहनत कर रहा हूँ।

लेकिन बाद में समझ आया...

मेहनत की कमी नहीं थी।

कहीं Direction की कमी थी।

कहीं सही लोगों की कमी थी।

कहीं विश्वास कमजोर था।

और कई बार...

सब समझ आने के बाद भी **Action लेने में देर हुई।**

यही जिंदगी है।

हम सब सीखते हुए आगे बढ़ते हैं।

इस किताब में आपको क्या मिलेगा?

इस किताब में मैं आपको पाँच ऐसे Secrets बताऊँगा जो आपकी Growth की नींव बन सकते हैं।

पहला Secret है — WHY

आपको पता होना चाहिए कि **आपको आगे क्यों बढ़ना है।**

क्योंकि जब आपका “क्यों” मजबूत होता है, तो मुश्किल रास्ता भी सहने लायक लगता है।

दूसरा Secret है — FAITH

जब कोई दूसरा आप पर विश्वास नहीं करता...

तब भी आपको खुद पर विश्वास रखना पड़ता है।

तीसरा Secret है — ENVIRONMENT

आप जिन लोगों के साथ रहते हैं...

जो बातें रोज सुनते हैं...

जो चीजें रोज देखते हैं...

वो धीरे-धीरे आपकी सोच बना देती हैं।

चौथा Secret है — GURU

आप सब कुछ खुद सीख सकते हैं।

लेकिन जरूरी नहीं कि हर गलती खुद करके ही सीखें।

सही Guru या Mentor आपके सालों का समय बचा सकता है।

और पाँचवाँ Secret है — ACTION

यही सबसे सीधी बात है।

सोचने से जिंदगी नहीं बदलती।

करने से बदलती है।

आपको पहला कदम उठाना ही पड़ेगा।

लेकिन असली मजा आगे है...

इन पाँचों Secrets को पढ़ते समय आपको कई बार लगेगा:

“अरे, ये तो मुझे पहले से पता है!”

और अगर ऐसा लगे...

तो बहुत अच्छी बात है।

क्योंकि इस किताब का उद्देश्य आपको नई-नई बातें बताना नहीं है।

इसका उद्देश्य है:

पुरानी बातों को एक नए तरीके से दिखाना।

क्योंकि कई बार हमें रास्ता पता होता है...

लेकिन हम उस रास्ते पर चलते नहीं हैं।

कई बार हमें पता होता है कि कौन-सी चीज गलत है...

फिर भी हम वही करते रहते हैं।

कई बार हमें पता होता है कि किससे सीखना चाहिए...

फिर भी Ego के कारण अकेले लड़ते रहते हैं।

और कई बार...

हमें अपना सपना पता होता है...

लेकिन अपना **WHY** पता नहीं होता।

यहीं से समस्या शुरू होती है।

तो एक काम करते हैं...

इस किताब को सिर्फ पढ़िए मत।

अपने ऊपर लगाइए।

हर Secret के बाद मैं आपसे कुछ छोटे सवाल पूछूँगा।

उनका जवाब ईमानदारी से दीजिए।

किसी को दिखाना नहीं है।

Instagram पर डालना नहीं है।

किसी को बताना भी नहीं है।

बस अपने लिए लिखना है।

क्योंकि हो सकता है...

इन पाँच Secrets में से **एक ऐसा Secret हो जो आपकी जिंदगी में अभी missing है।**

और अगर आपने उसे पहचान लिया...

तो शायद यही छोटी सी किताब आपकी जिंदगी में एक बड़ा सवाल पैदा कर दे:

“अगर मैं अब सच में आगे बढ़ना शुरू कर दूँ तो?”

बस...

यही सवाल आपकी नई शुरुआत हो सकता है।

चलिए शुरू करते हैं।

आपकी जिंदगी बदलने वाले...

5 आसान राज।

- .
- .
- .
- .
- .
- .

Secret 1

आपका WHY

आपको आगे बढ़ना क्यों है?

एक बहुत सीधी बात से शुरू करते हैं।

आपको जिंदगी में आगे बढ़ना है।

ठीक है।

लेकिन...

क्यों?

बस यहीं पर ज्यादातर लोग रुक जाते हैं।

मैं पूछता हूँ,

“आप Success क्यों चाहते हैं?”

जवाब आता है:

“पैसा चाहिए।”

“अच्छी जिंदगी चाहिए।”

“घर चाहिए।”

“Business बड़ा करना है।”

“नाम बनाना है।”

सुनने में सब सही लगता है।

लेकिन मैं फिर पूछता हूँ:

“पैसा क्यों चाहिए?”

अब थोड़ा सन्नाटा हो जाता है।

क्योंकि असली जवाब यहीं से निकलता है।

आपका WHY आपकी असली ताकत है

मान लीजिए दो आदमी सुबह 5 बजे उठते हैं।

दोनों को एक ही काम करना है।

दोनों थके हुए हैं।

दोनों का मन नहीं कर रहा।

पहला आदमी सोचता है:

“यार, इतनी मेहनत क्यों करूँ?”

दूसरा आदमी सोचता है:

“मुझे अपने बच्चों के लिए बेहतर जिंदगी बनानी है।”

अब बताइए...

कौन ज्यादा देर तक टिकेगा?

ज्यादातर समय दूसरा आदमी।

क्यों?

क्योंकि उसके पास सिर्फ **Goal** नहीं है।

उसके पास **WHY** है।

Goal बताता है कि आपको क्या चाहिए।

लेकिन WHY बताता है कि आपको वह क्यों चाहिए।

और जब आपका WHY मजबूत होता है...

तो मुश्किल समय में भी आप टिके रहते हैं।

एक छोटा सा फर्क समझिए

अगर मैं आपसे कहूँ:

“आपको अगले 6 महीने में 10 किलो वजन कम करना है।”

आप शायद दो-चार दिन मेहनत करेंगे।

फिर मन करेगा:

“आज छोड़ देते हैं।”

लेकिन अगर डॉक्टर ने कहा हो कि आपकी सेहत के लिए यह बहुत जरूरी है...

या आपका बच्चा आपसे कहे:

“पापा, मुझे आपके साथ लंबे समय तक खेलना है।”

तो आपका मन बदल सकता है।

अब यह सिर्फ वजन कम करने का सवाल नहीं रहा।

अब इसके पीछे एक **कारण** आ गया।

यही WHY है।

पैसा आपका WHY नहीं है

यह बात ध्यान से समझिए।

पैसा बुरा नहीं है।

पैसा चाहिए।

अच्छा पैसा चाहिए।

बहुत पैसा चाहिए तो वह भी ठीक है।

लेकिन अक्सर पैसा सिर्फ ऊपर की परत होता है।

उसके नीचे कुछ और छिपा होता है।

आप कहते हैं:

“मुझे ₹5 लाख महीने कमाने हैं।”

मैं पूछूंगा:

“क्यों?”

शायद जवाब आए:

“घर अच्छा करना है।”

फिर पूछेंगे:

“क्यों?”

“बच्चों को अच्छी education देनी है।”

फिर:

“क्यों?”

“मैं चाहता हूँ कि मेरे बच्चे मेरे जैसे struggle न करें।”

अब बात समझ में आई।

आपका असली WHY सिर्फ ₹5 लाख नहीं है।

आपका WHY है:

अपने परिवार को वह जिंदगी देना जो आपने खुद शायद हमेशा नहीं जी।

अब इस WHY में ताकत है।

मेरे साथ भी ऐसा हुआ है

मेरी जिंदगी में भी ऐसे बहुत समय आए हैं जब चीजें आसान नहीं थीं।

कभी business में बहुत अच्छा समय आया।

कभी बहुत मुश्किल समय भी आया।

कभी लगा कि मेहनत का result तुरंत क्यों नहीं मिल रहा।

कभी लगा कि शायद रास्ता ही गलत है।

लेकिन जब आपके पास कोई बड़ा कारण होता है...

तो आप हर बार खुद से एक सवाल पूछ सकते हैं:

“मैंने शुरुआत क्यों की थी?”

मैंने भी कई बार खुद को यही याद दिलाया है।

क्योंकि जब आपका काम सिर्फ पैसा कमाना नहीं रह जाता...

जब उसके पीछे लोगों की जिंदगी में कुछ बदलने की इच्छा होती है...

तो आपकी मेहनत का मतलब बदल जाता है।

मेरे लिए लोगों को Digital Business, Marketing और Growth समझाने का काम सिर्फ एक profession नहीं रहा।

मैंने बहुत लोगों को देखा है जो Knowledge रखते हैं...

लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि उस Knowledge को Business में कैसे बदलें।

कई लोग अच्छे हैं...

लेकिन खुद को सामने लाने से डरते हैं।

कई लोगों के पास सालों का Experience है...

लेकिन उन्हें लगता है कि अब बहुत देर हो गई।

ऐसे लोगों को देखकर मुझे लगता है:

अगर सही दिशा मिल जाए, तो बहुत लोग अपनी जिंदगी में बहुत कुछ कर सकते हैं।

यही मेरा एक बड़ा WHY रहा है।

अब आपकी बारी

आपको किसी और का WHY नहीं लेना है।

आपका WHY आपका अपना होना चाहिए।

आपके दोस्त का WHY अलग हो सकता है।

आपके भाई का अलग।

आपके पड़ोसी का अलग।

किसी करोड़पति का अलग।

और आपका अलग।

आपको यह नहीं सोचना:

“लोग क्या चाहेंगे?”

आपको पूछना है:

“मैं असल में क्या चाहता हूँ?”

WHY खोजने का एक आसान तरीका

एक कागज लीजिए।

और ऊपर लिखिए:

मैं आगे क्यों बढ़ना चाहता हूँ?

अब जो पहला जवाब आए, लिख दीजिए।

मान लीजिए:

“मुझे पैसा चाहिए।”

अब उसके नीचे लिखिए:

क्यों?

“मुझे अपना घर खरीदना है।”

फिर पूछिए:

क्यों?

“मैं अपने परिवार को सुरक्षित रखना चाहता हूँ।”

फिर:

क्यों?

“मैं नहीं चाहता कि मेरे परिवार को उन परेशानियों से गुजरना पड़े जिनसे मैं गुजरा।”

अब देखिए...

आपका असली जवाब सामने आने लगा।

आपका WHY हमेशा पैसा नहीं होता

किसी का WHY हो सकता है:

अपने परिवार को बेहतर जिंदगी देना।

किसी का:

अपना Business खड़ा करना।

किसी का:

अपने बच्चों के लिए बेहतर Future बनाना।

किसी का:

अपने माता-पिता को आराम देना।

किसी का:

अपनी पहचान बनाना।

किसी का:

दूसरों की मदद करना।

किसी का:

Freedom से जीना।

किसी का:

अपने जीवन में कुछ बड़ा करके जाना।

कोई सही या गलत WHY नहीं है।

बस एक बात जरूरी है:

वह आपका होना चाहिए।

एक और Secret समझिए

कई लोग Goal लिखते हैं।

लेकिन WHY नहीं लिखते।

वे लिखते हैं:

“मुझे Business शुरू करना है।”

लेकिन यह नहीं लिखते:

“मुझे Business क्यों शुरू करना है?”

वे लिखते हैं:

“मुझे YouTube पर 1 लाख Subscribers चाहिए।”

लेकिन यह नहीं लिखते:

“1 लाख Subscribers मेरे लिए क्यों जरूरी हैं?”

वे लिखते हैं:

“मुझे करोड़पति बनना है।”

लेकिन यह नहीं सोचते:

“करोड़पति बनकर मैं करूंगा क्या?”

और यहीं एक बड़ा trap है।

Goal पूरा होने के बाद क्या?

अगर आपने इस सवाल का जवाब नहीं दिया...

तो कई बार Goal मिलने के बाद भी मन खाली रह जाता है।

इसलिए सिर्फ Goal मत बनाइए।

Goal के पीछे का कारण खोजिए।

आपका WHY आपका Fuel है

गाड़ी में पेट्रोल नहीं होगा तो गाड़ी कितनी भी अच्छी हो...

चल नहीं पाएगी।

वैसे ही जिंदगी में Talent हो सकता है।

Knowledge हो सकता है।

Skill हो सकती है।

पैसा भी हो सकता है।

लेकिन अगर अंदर से यह साफ नहीं है कि:

“मुझे जाना कहाँ है और क्यों जाना है?”

तो इंसान बार-बार रास्ता बदलता रहेगा।

आज कुछ शुरू करेगा।

कल कुछ और।

फिर कोई नया Idea मिलेगा।

फिर नया Course खरीदेगा।

फिर नया Business शुरू करेगा।

फिर कुछ महीने बाद बोलेगा:

“यार, कुछ समझ नहीं आ रहा।”

Problem हमेशा Ability की नहीं होती।

कई बार Problem होती है:

Direction की।

एक छोटा सा सवाल

मान लीजिए आपको आज से पता चल जाए कि:

आपके पास सिर्फ 3 साल हैं अपनी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव करने के लिए।

आप क्या करेंगे?

किसके लिए करेंगे?

किस चीज के लिए करेंगे?

किस चीज को छोड़ देंगे?

और सबसे बड़ा सवाल:

आप किस चीज के लिए लड़ना चाहेंगे?

इस सवाल का जवाब आपके WHY के बहुत करीब है।

आपका WHY मजबूत है या नहीं?

एक आसान Test है।

अपने WHY को एक लाइन में लिखिए।

फिर खुद से पूछिए:

“क्या मैं इसके लिए मुश्किल समय सह सकता हूँ?”

अगर जवाब है:

“हाँ।”

तो आपका WHY मजबूत है।

अगर जवाब है:

“शायद।”

तो थोड़ा और सोचिए।

अगर जवाब है:

“नहीं।”

तो शायद आपने अभी अपना असली WHY नहीं खोजा है।



आपका WHY Exercise

अब इस किताब को बंद मत कीजिए।

एक कागज निकालिए और ये 5 सवाल लिखिए:

1. मैं जिंदगी में क्या पाना चाहता हूँ?
2. मैं यह क्यों पाना चाहता हूँ?
3. अगर मुझे यह मिल गया तो मेरी जिंदगी में क्या बदलेगा?
4. मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण कौन है जिसके लिए मैं बेहतर जिंदगी बनाना चाहता हूँ?
5. अगर मैं डरना बंद कर दूँ, तो मैं अपनी जिंदगी में क्या करना चाहूँगा?

अब अपने जवाब पढ़िए।

और एक लाइन में अपना WHY लिखिए:

“मैं आगे बढ़ना चाहता हूँ क्योंकि _____।”

इस एक लाइन को संभालकर रखिए।

यह आपकी जिंदगी का छोटा सा **North Star** बन सकता है।

आज का छोटा Action

आज सिर्फ एक काम कीजिए।

अपने मोबाइल के Notes में अपना WHY लिखिए।

और उसे ऐसा लिखिए कि पढ़ते ही आपको अंदर से लगे:

“हाँ! मुझे यही करना है।”

जब मन कमजोर हो...

उसे पढ़िए।

जब लोग आपको रोकें...

उसे पढ़िए।

जब कोई कहे:

“तुमसे नहीं होगा।”

उसे पढ़िए।

और खुद से कहिए:

“मुझे पता है मैं क्यों कर रहा हूँ।”

बस।

यहीं से असली ताकत शुरू होती है।

Gurujji की सीधी बात

जिस इंसान को अपना WHY पता है, उसे हर दिन Motivation की जरूरत नहीं पड़ती।

क्योंकि Motivation कभी आता है...

कभी चला जाता है।

लेकिन WHY...

आपके अंदर रहता है।

और याद रखिए:

“जब कारण बड़ा होता है, तो रास्ते की मुश्किल छोटी लगने लगती है।”

अब अगला Secret और भी दिलचस्प है।

क्योंकि WHY पता होने के बाद भी एक दिन ऐसा आता है...

जब आपको कुछ दिखाई नहीं देता।

लोग साथ नहीं देते।

Result नहीं आता।

और मन कहता है:

“शायद मुझसे नहीं होगा।”

उस समय आपको क्या बचाता है?

यही हमारा अगला Secret है:

FAITH — खुद पर विश्वास।

Secret 2

FAITH

जब कोई साथ न दे, तब भी खुद पर भरोसा

अब मान लीजिए आपको अपना WHY मिल गया।

आपको पता है कि आपको जिंदगी में क्या करना है।

आपको पता है कि आप आगे क्यों बढ़ना चाहते हैं।

अब क्या सब आसान हो जाएगा?

नहीं।

यहीं से असली खेल शुरू होता है।

क्योंकि एक दिन ऐसा जरूर आएगा...

जब आपको लगेगा:

“शायद मुझसे नहीं होगा।”

आपने मेहनत की।

फिर भी Result नहीं आया।

आपने कोशिश की।

फिर भी लोगों ने तारीफ नहीं की।

आपने नया काम शुरू किया।

लोगों ने कहा:

“छोड़ो यार, इसमें कुछ नहीं रखा।”

आपने कोई बड़ा सपना देखा।

किसी ने हँसकर कहा:

“पहले अपनी जिंदगी तो संभाल लो।”

और तब...

आपके पास दो रास्ते होते हैं।

एक रास्ता है:

दूसरों की बात मान लो।

दूसरा रास्ता है:

खुद पर भरोसा रखो और चलते रहो।

यही है **Faith**।

Faith का मतलब क्या है?

Faith का मतलब यह नहीं है कि आप आँख बंद करके मान लें कि सब अच्छा ही होगा।

Faith का मतलब है:

“मुझे अभी पूरा रास्ता दिखाई नहीं दे रहा, लेकिन मुझे भरोसा है कि मैं रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ सकता हूँ।”

यह बहुत बड़ा फर्क है।

क्योंकि जिंदगी में आपको कभी भी पूरा रास्ता नहीं दिखाई देगा।

जब आप पहली बार कोई Business शुरू करते हैं...

आपको अगले 5 साल साफ नहीं दिखाई देते।

जब आप नया Career चुनते हैं...

आपको पता नहीं होता कि 2 साल बाद क्या होगा।

जब आप कोई बड़ा सपना देखते हैं...

आपको यह guarantee नहीं मिलती कि आप सफल होंगे।

फिर भी आप पहला कदम उठाते हैं।

क्यों?

क्योंकि अंदर से एक आवाज आती है:

“चलो... देखते हैं। कोशिश करके देखते हैं।”

वही Faith है।

सबसे खतरनाक कमी पैसे की नहीं है

बहुत लोग सोचते हैं:

“मेरे पास पैसा होता तो मैं आगे बढ़ जाता।”

कभी-कभी यह सच हो सकता है।

लेकिन मैंने एक और चीज देखी है।

कई लोगों के पास पैसा होता है...

फिर भी वे कुछ शुरू नहीं करते।

कई लोगों के पास Knowledge होती है...

फिर भी वे आगे नहीं आते।

कई लोगों के पास Talent होता है...

फिर भी वे डरते हैं।

क्यों?

क्योंकि अंदर से आवाज आती है:

“अगर मैं Fail हो गया तो?”

यही डर आदमी को रोकता है।

और धीरे-धीरे आदमी कोशिश करना ही बंद कर देता है।

Faith उस डर के सामने खड़े होने की ताकत है।

एक बात याद रखिए

आपको खुद पर विश्वास करने के लिए पहले Success हासिल करना जरूरी नहीं है।

यह बहुत जरूरी बात है।

अक्सर हम सोचते हैं:

“जब मैं सफल हो जाऊंगा, तब मुझे खुद पर विश्वास आएगा।”

लेकिन कई बार उल्टा होता है।

पहले विश्वास आता है, फिर लगातार Action आता है, फिर Result आता है।

आपने किसी बच्चे को चलना सीखते देखा है?

बच्चा पहली बार खड़ा होता है।

गिरता है।

फिर खड़ा होता है।

फिर गिरता है।

कोई बच्चा यह नहीं कहता:

“पहले मुझे Walking का पूरा Course कर लेने दो, फिर मैं चलूँगा।”



वह बस कोशिश करता है।

गिरता है।

फिर उठता है।

फिर कोशिश करता है।

क्यों?

क्योंकि उसके अंदर एक natural Faith है:

“मैं चल सकता हूँ।”

लेकिन बड़े होकर हम क्या करते हैं?

हम पहले Guarantee चाहते हैं।

“अगर मैं Business शुरू करूँ तो Success मिलेगी?”

“अगर मैं YouTube शुरू करूँ तो कितने Subscribers आएंगे?”

“अगर मैं नया Skill सीखूँ तो पैसा कितना मिलेगा?”

“अगर मैंने अपना काम शुरू किया तो लोग क्या कहेंगे?”

हम Result की guarantee चाहते हैं...

तभी Action लेना चाहते हैं।

लेकिन जिंदगी ऐसी नहीं चलती।

पहले कदम उठाना पड़ता है।

फिर रास्ता दिखाई देता है।

मेरी जिंदगी में भी यह बात बार-बार आई

मैंने अपने सफर में कई बार ऐसे फैसले लिए जहाँ सामने पूरी तस्वीर साफ नहीं थी।

अगर हर बार मैंने यह सोचा होता कि:

“पहले मुझे पूरा भरोसा चाहिए कि मैं सफल होऊँगा, फिर शुरू करूँगा।”

तो शायद मैं कई काम शुरू ही नहीं कर पाता।

कई बार हमें बस इतना पता होता है:

“यह करना सही लग रहा है।”

और फिर हम शुरू करते हैं।

रास्ते में सीखते हैं।

गलतियाँ करते हैं।

सुधारते हैं।

फिर आगे बढ़ते हैं।

मेरे अनुभव में एक चीज बहुत साफ है:

Confidence हमेशा शुरूआत में नहीं आता।

कई बार Confidence...

Action लेने के बाद आता है।

पहले कदम उठाइए।

फिर दूसरा कदम आसान होता है।

फिर तीसरा।

और धीरे-धीरे आपको खुद पर भरोसा होने लगता है।

Faith और Blind Belief में फर्क है

यह भी समझना जरूरी है।

अगर मैं कहूँ:

“मैं बिना कुछ किए सफल हो जाऊँगा।”

यह Faith नहीं है।

यह सिर्फ कल्पना है।

अगर मैं कहूँ:

“मैं सीखूँगा, मेहनत करूँगा, गलतियों से सीखूँगा और रास्ता बनाऊँगा।”

यह Faith है।

Faith का मतलब Action छोड़ना नहीं है।

Faith का मतलब Action करते हुए उम्मीद जिंदा रखना है।

यानी:

विश्वास + सीखना + कोशिश + सुधार = मजबूत Faith

जब लोग आपका मजाक उड़ाएँ

यह बहुत common है।

आप कुछ नया करना चाहते हैं।

आपने अपने दोस्त को बताया:

“मैं अपना Business शुरू कर रहा हूँ।”

दोस्त बोला:

“तू?”

बस।

एक शब्द।

लेकिन उस एक शब्द में इतना Confidence तोड़ने का दम होता है कि आदमी घर जाकर सोचने लगता है:

“शायद सच में मैं नहीं कर सकता।”

किसी को दोष मत दीजिए।

लोग अक्सर वही देखते हैं जो उन्हें दिखाई देता है।

अगर आपने अभी तक कुछ बड़ा नहीं किया...

तो उन्हें आपका Future कैसे दिखाई देगा?

दूसरों की आज की राय आपके कल का फैसला नहीं हो सकती।

एक छोटा सा सच

लोग आपकी शुरुआत पर हँस सकते हैं।

लेकिन अगर आप लगातार काम करते रहे...

तो वही लोग एक दिन पूछ सकते हैं:

“भाई, किया कैसे?”

इसलिए शुरुआत में तालियाँ न मिलें...

तो भी काम करते रहिए।

क्योंकि शुरुआत में अक्सर Audience नहीं होती।

बस आप होते हैं।

आपका सपना होता है।

और आपका Faith होता है।

Faith को मजबूत कैसे करें?

अब सवाल है:

“खुद पर विश्वास बढ़े कैसे?”

इसका कोई जादू नहीं है।

एक बहुत आसान तरीका है:

छोटे-छोटे वादे खुद से कीजिए।

मान लीजिए आपने कहा:

“मैं रोज 30 मिनट सीखूँगा।”

तो 30 मिनट सीखिए।

आपने कहा:

“मैं रोज एक Video बनाऊँगा।”

तो बनाइए।

आपने कहा:

“मैं सुबह उठकर 20 मिनट Walk करूँगा।”

तो कीजिए।

जब आप खुद से किया हुआ वादा पूरा करते हैं...

तो आपके अंदर एक छोटी सी आवाज बनती है:

“मैं जो कहता हूँ, वो करता हूँ।”

और यही आवाज धीरे-धीरे Confidence बनाती है।

खुद पर विश्वास का असली Formula

इसे याद रखिए:

छोटा Promise → Action → पूरा हुआ → Self-Trust बढ़ा

फिर थोड़ा बड़ा Promise।

फिर Action।

फिर Result।

फिर Self-Trust और बढ़ता है।

इसलिए अगर अभी आपका Confidence कम है...

तो कोई बड़ी छलांग लगाने की जरूरत नहीं है।

छोटे काम पूरे करना शुरू कीजिए।

एक मजेदार बात बताऊँ?

हम दूसरों पर जल्दी विश्वास कर लेते हैं।

कोई हमें कह दे:

“यह Product बहुत अच्छा है।”

हम मान लेते हैं।

कोई कह दे:

“यह आदमी बहुत बड़ा Expert है।”

हम मान लेते हैं।

लेकिन जब हमारा अपना मन कहता है:

“तुम कर सकते हो।”

हम कहते हैं:

“नहीं यार... पता नहीं।”



यह बदलना है।

आपको अपने अंदर की आवाज को मजबूत करना है।



आपका Faith Exercise

अब एक कागज पर तीन चीजें लिखिए।

1. ऐसी कौन-सी चीज है जिसे मैं करना चाहता हूँ लेकिन डर रहा हूँ?
2. मुझे सबसे ज्यादा डर किस बात का है?
3. अगर मैं डर के बावजूद Action लूँ, तो सबसे अच्छा क्या हो सकता है?

अब नीचे लिखिए:

“मैं अभी पूरा रास्ता नहीं जानता, लेकिन मैं पहला कदम उठा सकता हूँ।”

इसे एक बार जोर से पढ़िए।

फिर अपने आप से पूछिए:

“मेरा पहला कदम क्या है?”

बस वही कीजिए।

पूरी जिंदगी का फैसला आज नहीं करना है।

आज सिर्फ अगला कदम लेना है।

आज का छोटा Action

आज कोई एक छोटा काम कीजिए जिसे आप कई दिनों से टाल रहे हैं।

Phone उठाइए।

Message भेजिए।

एक Page लिखिए।

एक Call कीजिए।

एक Video रिकॉर्ड कीजिए।

एक Idea पर काम शुरू कीजिए।

जो भी आपका पहला कदम है...

आज कर दीजिए।

क्योंकि Faith सिर्फ सोचने से मजबूत नहीं होता।

Faith Action से मजबूत होता है।

Guruji की सीधी बात

“जब दुनिया कहे कि तुम नहीं कर सकते, तब आपको दुनिया से लड़ने की जरूरत नहीं है। बस खुद को इतना मजबूत बनाइए कि आप कोशिश करना बंद न करें।”

और एक बात हमेशा याद रखिए:

आपको हर दिन खुद पर 100% विश्वास नहीं होगा। कोई बात नहीं।

बस इतना विश्वास रखिए कि आज का एक कदम आप उठा सकते हैं।

यही काफी है।

क्योंकि एक कदम...

दूसरे कदम तक ले जाता है।

दूसरा...

तीसरे तक।

और एक दिन पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है:

“अरे... मैं तो बहुत आगे आ गया!”

लेकिन यहाँ एक और समस्या है।

मान लीजिए आपका WHY मजबूत है।

आपको खुद पर Faith भी है।

फिर भी अगर आप रोज ऐसे लोगों के बीच रहते हैं जो आपको नीचे खींचते हैं...

अगर आपका माहौल आपको डराता है...

अगर आप सुबह से रात तक Negative बातें सुनते हैं...

तो आपका Faith धीरे-धीरे कमजोर हो सकता है।

इसलिए अगला Secret बहुत खतरनाक तरीके से Powerful है।

ENVIRONMENT — आपका माहौल आपको चुपचाप बना रहा है।

.

.

.

.

.

Secret 3

ENVIRONMENT

आपका माहौल आपको चुपचाप बना रहा है

अब तक हमने दो चीजें समझीं।

पहली:

आपको पता होना चाहिए कि आपको आगे क्यों बढ़ना है।

दूसरी:

आपको खुद पर विश्वास रखना चाहिए, खासकर तब जब दूसरे आप पर विश्वास न करें।

लेकिन अब एक ऐसी चीज आती है जिसे लोग बहुत हल्के में लेते हैं।

वो है...

आपका माहौल।

और मैं आपको एक बात पहले ही बता दूँ:

आपका माहौल आपकी मेहनत से भी ज्यादा ताकतवर हो सकता है।

थोड़ा अजीब लगा?

तो एक छोटा सा सवाल पूछता हूँ।

अगर आप रोज सुबह से रात तक ऐसे लोगों के साथ रहें जो कहते हैं:

“कुछ नहीं होने वाला।”

“भारत में Business कहाँ चलता है?”

“इतना पैसा कौन कमाता है?”

“तुमसे नहीं होगा।”

“ये सब Internet की बातें हैं।”

तो क्या होगा?

आप शुरुआत में कहेंगे:

“नहीं, मैं करूँगा।”

फिर कुछ दिन बाद:

“देखते हैं।”

फिर कुछ महीने बाद:

“शायद सही कह रहे थे।”

और धीरे-धीरे...

आपका सपना छोटा हो जाएगा।

यही Environment का खेल है।

Environment सिर्फ जगह का नाम नहीं है

जब हम Environment कहते हैं तो लोग सोचते हैं:

घर।

Office।

शहर।

लेकिन Environment इससे बहुत बड़ा है।

आपका Environment है:

आप किन लोगों से बात करते हैं।

आप क्या देखते हैं।

क्या सुनते हैं।

क्या पढ़ते हैं।

Social Media पर क्या देखते हैं।

किसकी बातों को सच मानते हैं।

किस तरह की चीजों को रोज अपने दिमाग में डालते हैं।

यानी...

आपके आसपास जो कुछ बार-बार होता है, वही धीरे-धीरे आपके अंदर आने लगता है।

एक बहुत आसान Example

मान लीजिए आपके घर में किसी को चाय की आदत है।

सुबह चाय।

दोपहर चाय।

शाम चाय।

आपने कभी सोचा भी नहीं था कि आपको चाय चाहिए।

लेकिन रोज देखते-देखते...

एक दिन आप भी बोलते हैं:

“एक कप चाय बना दो।”

किसी ने आपको बैठाकर चाय की Training नहीं दी।

आपने माहौल से सीख लिया।

इसी तरह:

अगर आपके आसपास लोग रोज मेहनत करते हैं...

तो मेहनत Normal लगती है।

अगर आसपास लोग किताब पढ़ते हैं...

तो पढ़ना Normal लगता है।

अगर आसपास लोग Business की बात करते हैं...

तो Business Normal लगता है।

अगर आसपास लोग सिर्फ शिकायत करते हैं...

तो शिकायत करना Normal लगता है।

आप जिस चीज को रोज देखते हैं, आपका दिमाग उसे धीरे-धीरे Normal मानने लगता है।

एक और बड़ा Secret

आपको हमेशा Motivation की जरूरत नहीं है।

कई बार आपको सिर्फ ऐसा Environment चाहिए जहाँ सही काम करना आसान हो जाए।

मान लीजिए आपको रोज पढ़ना है।

लेकिन आपका Phone आपके सामने है।

Instagram खुला है।

YouTube खुला है।

WhatsApp पर लगातार Messages आ रहे हैं।

और आप बोल रहे हैं:

“मेरा Focus कमजोर है।”

हो सकता है Problem Focus की नहीं है।

हो सकता है आपका Environment आपको Focus करने ही नहीं दे रहा।

Phone दूसरे कमरे में रख दीजिए।

Notifications बंद कर दीजिए।

एक शांत जगह बैठ जाइए।

अब वही आदमी 30 मिनट पढ़ सकता है।

क्या वह अचानक ज्यादा Intelligent हो गया?

नहीं।

उसने बस अपना Environment बदल दिया।

मेरे एक दोस्त की बात

मेरा एक दोस्त है।

उसका नाम हम **Amit** मान लेते हैं।

Amit हमेशा कहता था:

“मुझे Business करना है।”

वह बहुत Videos देखता था।

बहुत Ideas की बात करता था।

बहुत Plans बनाता था।

लेकिन Action?

बहुत कम।

एक दिन मैंने उससे पूछा:

“तुम पूरे दिन किन लोगों के साथ रहते हो?”

उसने कुछ नाम बताए।

मैंने पूछा:

“क्या इनमें से कोई Business करता है?”

उसने कहा:

“नहीं।”

मैंने पूछा:

“क्या कोई ऐसा है जो तुम्हारे Goal को समझता है?”

फिर चुप।

यहीं असली Problem थी।

Amit को नया Business सीखने से पहले...

नया Environment चाहिए था।

जब उसने ऐसे लोगों के साथ समय बिताना शुरू किया जो कुछ बना रहे थे, बेच रहे थे, सीख रहे थे...

तो धीरे-धीरे उसकी बात बदलने लगी।

पहले वह कहता था:

“यार, मैं Business कैसे शुरू करूँ?”

बाद में कहने लगा:

“मैंने ये शुरू कर दिया है, अब इसे कैसे बेहतर करूँ?”

बस।

यही Environment का असर है।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पुराने लोगों को छोड़ दो

यह बात भी समझना जरूरी है।

आपको हर पुराने दोस्त से रिश्ता तोड़ने की जरूरत नहीं है।

आपको अपने परिवार से भागने की जरूरत नहीं है।

आपको किसी को गलत साबित करने की जरूरत नहीं है।

बस इतना समझिए:

हर व्यक्ति को अपने जीवन का हर हिस्सा मत बनाइए।

कुछ लोग आपके बहुत अच्छे दोस्त हो सकते हैं...

लेकिन आपके Business Mentor नहीं।

कुछ लोग परिवार के बहुत अच्छे सदस्य हो सकते हैं...

लेकिन आपके Growth Partner नहीं।

कुछ लोग बहुत अच्छे इंसान हो सकते हैं...

लेकिन उनकी सोच शायद आपके लक्ष्य से मेल न खाती हो।

यह कोई लड़ाई नहीं है।

यह सिर्फ समझदारी है।

आपके पाँच सबसे करीब लोग

एक बहुत आसान Exercise है।

अपने पाँच ऐसे लोगों के नाम लिखिए जिनके साथ आप सबसे ज्यादा समय बिताते हैं।

अब हर नाम के सामने एक सवाल लिखिए:

“इस व्यक्ति के साथ रहने के बाद मैं कैसा महसूस करता हूँ?”

क्या आप:

ऊर्जावान महसूस करते हैं?

या

थके हुए?

क्या आपको:

कुछ करने का मन करता है?

या

सब छोड़ने का?

क्या आप:

बड़ा सोचते हैं?

या

डरने लगते हैं?

यह बहुत बड़ा संकेत है।

Environment आपके Standards बदलता है

यह बात बहुत गहरी है।

मान लीजिए आप ऐसे लोगों के बीच रहते हैं जो महीने में ₹20,000 कमाते हैं और कहते हैं:

“बस भाई, इतना ही बहुत है।”

आप भी धीरे-धीरे उसी को Normal मान सकते हैं।

अब आप ऐसे लोगों के बीच जाते हैं जो:

₹1 लाख, ₹5 लाख, ₹10 लाख या उससे ज्यादा कमाने के लिए नए तरीके खोज रहे हैं।

अब आपकी सोच बदल सकती है।

आप पूछने लगते हैं:

“ये लोग ऐसा कर कैसे रहे हैं?”

और यहीं से आपका Standard बदलना शुरू होता है।

आपका Environment आपको बताता है कि आपके दिमाग में क्या “Normal” है।

इसलिए सिर्फ Goal बड़ा मत करो

अगर आपका Goal बड़ा है...

लेकिन Environment छोटा है...

तो संघर्ष बहुत बढ़ जाएगा।

आप कहते हैं:

“मुझे बड़ा Business बनाना है।”

लेकिन रोज सिर्फ उन लोगों की बातें सुनते हैं जो Business को लेकर डरते हैं।

आप कहते हैं:

“मुझे Content Creator बनना है।”

लेकिन रोज सुनते हैं:

“लोग क्या कहेंगे?”

आप कहते हैं:

“मुझे अपना नाम बनाना है।”

लेकिन हर बार कोई कहता है:

“इतना सामने आने की जरूरत क्या है?”

फिर आप Confuse हो जाते हैं।

इसलिए बड़े Goal के साथ बड़ा Environment भी चाहिए।

आज का Environment सिर्फ आपके घर में नहीं है

आज आपके हाथ में एक ऐसी चीज है जो आपके दिमाग को 24 घंटे प्रभावित कर सकती है।

आपका Mobile।

आप जिसको Follow करते हैं...

आप क्या देखते हैं...

आप किस तरह के Videos देखते हैं...

किसकी बातें सुनते हैं...

यह सब आपका Digital Environment है।

और यह बहुत powerful है।

अगर सुबह उठते ही आप:

Negative News

झगड़े

Gossip

और बेकार Videos देखते हैं...

तो आपका दिन उसी energy से शुरू होगा।

लेकिन अगर सुबह:

अच्छी किताब का एक Page,

अच्छा विचार,

Learning,

Meditation,

या किसी अच्छे Mentor की बात सुनते हैं...

तो आपका दिमाग अलग दिशा में जा सकता है।

आपका Mobile सिर्फ Phone नहीं है। यह आपकी जेब में रखा हुआ Environment है।

अब एक काम करिए

आज अपने Social Media को देखिए।

आप किन लोगों को Follow करते हैं?

कितने लोग आपको:

सिखाते हैं?

कितने लोग आपको:

प्रेरित करते हैं?

कितने लोग आपको:

Action लेने के लिए मजबूर करते हैं?

और कितने लोग सिर्फ:

आपका समय खाते हैं?

ईमानदारी से देखिए।

हो सकता है आपको अपनी जिंदगी बदलने के लिए नया Course खरीदने से पहले...

कुछ पुराने Accounts को Unfollow करना पड़े।



आपका Environment आपको क्या दे रहा है?

एक छोटा सा Test करते हैं।

अपने Environment को 5 हिस्सों में देखिए:

1. लोग

क्या आपके आसपास Growth वाले लोग हैं?

2. Content

क्या आप रोज कुछ सीखते हैं?

3. जगह

क्या आपके पास Focus करने की जगह है?

4. समय

क्या आपका दिन बिना मतलब की चीजों में निकल जाता है?

5. बातचीत

आप दिनभर किस तरह की बातें करते हैं?

इन पाँचों को बदलना शुरू कर दीजिए।

आपको धीरे-धीरे अपने अंदर फर्क दिखाई देगा।



आपका Environment Audit

अब अपनी Notebook खोलिए।

और इन सवालों के जवाब दीजिए।

1. मेरे जीवन के सबसे ज्यादा समय वाले पाँच लोग कौन हैं?

2. इनमें से कौन मुझे आगे बढ़ाता है?

3. कौन मुझे बार-बार डराता या रोकता है?

4. मुझे किन नए लोगों से जुड़ना चाहिए?

5. मुझे अपने Digital Environment में क्या बदलना है?

अब एक और सवाल:

अगर मेरा Environment अगले 12 महीने बिल्कुल ऐसा ही रहा, तो मेरी जिंदगी कैसी होगी?

इसका जवाब ईमानदारी से लिखिए।

यह सवाल थोड़ा चुभ सकता है।

लेकिन कई बार...

चुभने वाला सवाल ही सही रास्ता दिखाता है।

आज का छोटा Action

आज सिर्फ तीन काम कीजिए।

पहला:

एक ऐसा Account Unfollow कीजिए जो आपका समय और Energy खा रहा है।

दूसरा:

एक ऐसा व्यक्ति Follow कीजिए जिससे आपको कुछ सीखने को मिले।

तीसरा:

कम से कम 30 मिनट ऐसे काम में लगाइए जो आपके Future को बेहतर बना सकता है।

बस।

Environment बदलने के लिए आपको हमेशा शहर बदलने की जरूरत नहीं होती।

कई बार:

लोग बदलने पड़ते हैं।

Content बदलना पड़ता है।

Routine बदलना पड़ता है।

और कभी-कभी खुद से होने वाली बातचीत बदलनी पड़ती है।

Gurujii की सीधी बात

“अगर आप रोज अपने आसपास की हवा नहीं बदलेंगे, तो सिर्फ अपनी मंजिल बदलने से कुछ नहीं होगा।”

और इसे याद रखिए:

आपके आसपास के लोग आपकी सोच को धीरे-धीरे प्रभावित करते हैं। इसलिए ऐसा माहौल बनाइए जहाँ आपका बड़ा सपना छोटा न लगे।

अब सोचिए...

आपका WHY है।

आपके अंदर Faith भी है।

आपने अपना Environment भी सही करना शुरू कर दिया।

अब क्या सब हो गया?

नहीं।

क्योंकि एक और बड़ी समस्या है।

आप खुद से सब कुछ सीखने की कोशिश करेंगे...

हर गलती खुद करेंगे...

हर रास्ता खुद खोजेंगे...

और हो सकता है जिस रास्ते को तय करने में आपको 5 साल लगें...

कोई अनुभवी व्यक्ति आपको वही बात 5 मिनट में समझा दे।

यहीं आता है अगला Secret।

GURU – सही व्यक्ति आपके सालों का समय बचा सकता है।

.

.

.

.

.

Secret 4

GURU

सही व्यक्ति आपके सालों का समय बचा सकता है

अब तक हमने तीन बातें समझीं।

आपको पता होना चाहिए कि **आपको आगे क्यों बढ़ना है।**

आपको खुद पर **Faith** रखना चाहिए।

और आपको ऐसा **Environment** बनाना चाहिए जो आपको ऊपर उठाए।

अब मान लीजिए...

आपका WHY भी मजबूत है।

आप खुद पर विश्वास भी करते हैं।

आपके आसपास अच्छे लोग भी हैं।

लेकिन एक समस्या अभी भी है।

आपको रास्ता नहीं पता।

और यही जगह है जहाँ एक सही **Guru या Mentor** आपकी जिंदगी बदल सकता है।

एक बात बताऊँ?

अगर आपको दिल्ली जाना है और आप पहली बार जा रहे हैं...

तो क्या आप बिना रास्ता देखे गाड़ी चलाते रहेंगे?

शायद नहीं।

आप Google Maps खोलेंगे।

किसी से रास्ता पूछेंगे।

किसी ऐसे व्यक्ति से पूछेंगे जो पहले वहाँ जा चुका है।

क्यों?

क्योंकि आपको पता है:

जिस रास्ते पर कोई पहले चल चुका है, उससे रास्ता पूछना समझदारी है।

लेकिन जिंदगी में हम क्या करते हैं?

हम कहते हैं:

“सब खुद सीखेंगे।”

फिर गलती करते हैं।

फिर दूसरी गलती।

फिर तीसरी।

फिर कहते हैं:

“यार, जिंदगी बहुत मुश्किल है।”



जिंदगी हमेशा मुश्किल नहीं होती।

कई बार...

हम बिना Map के चल रहे होते हैं।

Guru क्या करता है?

Guru या Mentor आपके लिए जिंदगी नहीं जीता।

वह आपके लिए मेहनत नहीं करता।

वह आपकी जगह Business नहीं बनाता।

वह आपकी जगह फैसला भी नहीं करता।

तो फिर करता क्या है?

वह आपकी दिशा साफ करता है।

वह कहता है:

“यह रास्ता मत पकड़ो।”

“यह गलती मैंने की है, तुम मत करना।”

“यहाँ ज्यादा समय मत लगाओ।”

“पहले यह करो, फिर अगला कदम लेना।”

यानी...

Mentor आपका रास्ता छोटा कर सकता है।

एक बहुत जरूरी फर्क

Guru और Teacher में फर्क होता है।

Teacher आपको Knowledge दे सकता है।

Mentor आपको **Knowledge का इस्तेमाल करना** सिखाता है।

Teacher कह सकता है:

“Business ऐसे चलता है।”

Mentor कह सकता है:

“तुम्हारे Business में अभी यह गलती हो रही है। पहले इसे ठीक करो।”

Teacher आपको किताब पढ़ा सकता है।

Mentor आपकी Notebook देखकर कह सकता है:

“यहाँ तुम्हारी सोच गलत जा रही है।”

और यही बहुत बड़ा फर्क है।

लेकिन Guru का मतलब सिर्फ कोई आध्यात्मिक व्यक्ति नहीं

यहाँ Guru शब्द को बहुत बड़े अर्थ में समझिए।

आपकी जिंदगी में अलग-अलग जगह अलग Mentor हो सकते हैं।

Business के लिए एक।

Health के लिए एक।

Career के लिए एक।

Spiritual Growth के लिए एक।

Communication के लिए एक।

किसी भी क्षेत्र में...

जिस व्यक्ति ने वह रास्ता आपसे पहले तय किया है और जो ईमानदारी से आपको आगे बढ़ने में मदद कर सकता है, वह आपका Mentor बन सकता है।

एक छोटी सी कहानी

मान लीजिए दो लोग हैं।

दोनों को Digital Business शुरू करना है।

पहला व्यक्ति कहता है:

“मैं सब खुद सीखूँगा।”

वह YouTube Videos देखता है।

एक Course खरीदता है।

फिर दूसरा Course।

फिर तीसरा।

Website बदलता है।

Logo बदलता है।

Name बदलता है।

फिर कोई नया Tool दिखता है।

वह Tool सीखने लगता है।

छह महीने बाद...

उसके पास बहुत Knowledge है।

लेकिन Business?

अभी भी शुरू नहीं हुआ।



दूसरा व्यक्ति क्या करता है?

वह किसी ऐसे व्यक्ति को ढूँढता है जिसने पहले से Business बनाया है।

वह पूछता है:

“मुझे शुरूआत कहाँ से करनी चाहिए?”

Mentor कहता है:

“पहले यह तीन काम करो। बाकी अभी मत करो।”

छह महीने बाद...

हो सकता है दोनों का Result जमीन-आसमान का हो।

क्यों?

पहले ने सिर्फ **Knowledge जमा की।**

दूसरे ने **Direction लेकर Action लिया।**

यही एक बहुत बड़ा Trap है

आज Internet पर Knowledge की कमी नहीं है।

Knowledge इतनी ज्यादा है कि इंसान Confuse हो जाता है।

पहले समस्या थी:

“मुझे जानकारी कहाँ मिलेगी?”

आज समस्या है:

“मुझे कौन-सी जानकारी माननी चाहिए?”

YouTube पर हजार लोग हजार बातें बता रहे हैं।

कोई कहता है:

यह करो।

दूसरा कहता है:

नहीं, यह करो।

तीसरा कहता है:

दोनों गलत हैं।

अब आदमी क्या करे?

यहीं एक सही Mentor का महत्व बढ़ जाता है।

Mentor सिर्फ जानकारी नहीं देता। वह जानकारी में से जरूरी चीज चुनने में मदद करता है।

मैंने खुद यह सीखा है

अपने सफर में मैंने भी ऐसे समय देखे हैं जब मैं बहुत कुछ खुद करने की कोशिश करता था।

नई चीज दिखी...

सीखने लगे।

नई Strategy मिली...

उसे आजमाओ।

नई Technology आई...

उसे समझो।

कई बार यह अच्छा था।

क्योंकि इससे मैंने बहुत कुछ सीखा।

लेकिन बाद में समझ आया:

हर चीज खुद सीखना जरूरी नहीं है।

कुछ चीजें आप खुद सीखिए।

लेकिन कुछ चीजों में किसी ऐसे व्यक्ति से सीखिए जो पहले से उस रास्ते पर चल चुका है।

इससे आपका समय बचता है।

आपका पैसा बच सकता है।

और सबसे बड़ी बात...

आपकी Energy बचती है।

Mentor आपकी गलतियाँ कम कर सकता है

यह बात बहुत ध्यान से समझिए।

Mentor का सबसे बड़ा फायदा यह नहीं कि वह आपको Success का Shortcut देगा।

असली फायदा है:

वह आपको कुछ बेवकूफी वाली गलतियों से बचा सकता है।

मान लीजिए कोई व्यक्ति पहले ही एक गलती कर चुका है।

उसने गलत Product बनाया।

गलत Audience चुनी।

गलत Marketing की।

गलत Team बनाई।

और उसे इस गलती की कीमत दो साल में समझ आई।

अब अगर वही व्यक्ति आपको पहले दिन बता दे:

“यह मत करना।”

तो आपने दो साल बचा लिए।

क्या यह छोटी बात है?

बिल्कुल नहीं।

समय वापस नहीं आता।

पैसा वापस आ सकता है।

लेकिन समय?

नहीं।

लेकिन हर Guru सही Guru नहीं होता

यह बात भी बहुत जरूरी है।

सिर्फ किसी को Guru बना लेना काफी नहीं है।

आपको देखना होगा:

क्या वह व्यक्ति खुद उस रास्ते पर चला है?

क्या उसके पास वास्तविक Experience है?

क्या वह आपको सिर्फ सपने बेच रहा है या रास्ता भी दिखा रहा है?

क्या वह आपकी Situation समझता है?

क्या वह आपकी गलतियों पर भी आपको सच बता सकता है?

क्योंकि अच्छा Mentor हमेशा आपकी तारीफ नहीं करेगा।

कभी-कभी वह बोलेगा:

“नहीं। यह गलत है।”

और उस समय आपको बुरा लग सकता है।

लेकिन वही बात आपको बचा सकती है।

आपको ऐसा Mentor चाहिए जो आपको Comfortable नहीं, Capable बनाए

यह लाइन याद रखिए।

बहुत लोग ऐसा व्यक्ति चाहते हैं जो कहे:

“आप बहुत अच्छे हैं।”

“आप सब कर सकते हैं।”

“सब बढ़िया है।”

अच्छा लगता है।

लेकिन Growth हमेशा अच्छी बातें सुनने से नहीं आती।

कभी-कभी आपको कोई चाहिए जो बोले:

“आपके अंदर क्षमता है, लेकिन आप **Action** नहीं ले रहे।”

“आप बहुत सोच रहे हैं।”

“आप यह काम गलत तरीके से कर रहे हैं।”

“आपको यह सीखना पड़ेगा।”

यही असली Mentorship हो सकती है।

सच्चा Mentor आपको अच्छा महसूस कराने से ज्यादा बेहतर बनने में मदद करता है।

और एक बात...

आपको Mentor के पास जाकर यह नहीं कहना:

“मेरी जिंदगी बदल दो।”



आपकी जिंदगी कोई दूसरा नहीं बदल सकता।

Mentor रास्ता दिखा सकता है।

लेकिन चलना आपको है।

वह Map दे सकता है।

लेकिन गाड़ी आपको चलानी है।

वह गलती बता सकता है।

लेकिन सुधार आपको करना है।

इसलिए:

Mentor + आपका Action = Progress

Mentor चुनने का आसान Formula

किसी व्यक्ति को Mentor बनाने से पहले पाँच सवाल पूछिए:

1. क्या वह वहाँ पहुँच चुका है जहाँ मैं पहुँचना चाहता हूँ?
2. क्या वह सिर्फ बोलता है या खुद भी करता है?
3. क्या वह मुझे मेरी गलती बताने की हिम्मत रखता है?

4. क्या उसकी बात Practical है?

5. क्या उसके साथ सीखने के बाद मैं ज्यादा Clear होता हूँ?

अगर इन सवालों के जवाब अच्छे हैं...

तो हो सकता है आपको सही व्यक्ति मिल गया हो।

लेकिन अगर अभी आपका कोई Mentor नहीं है?

कोई चिंता नहीं।

आज के समय में शुरुआत करना आसान है।

आप किसी व्यक्ति की Books पढ़ सकते हैं।

उसके Interviews देख सकते हैं।

उसके Courses कर सकते हैं।

उसके काम को ध्यान से देख सकते हैं।

उसकी Community में जुड़ सकते हैं।

और धीरे-धीरे...

जब सही व्यक्ति मिले...

तो उससे Direct सीख सकते हैं।

लेकिन एक गलती मत करना।

दस लोगों को एक साथ Guru मत बनाइए।

आज किसी की बात।

कल किसी और की।

परसों तीसरे की।

फिर आप Confused हो जाएंगे।

एक समय पर एक दिशा पकड़िए।



आपका Mentor Exercise

अब अपनी Notebook में लिखिए:

मैं किस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहता हूँ?

उस क्षेत्र में मुझसे आगे कौन है?

मैं उस व्यक्ति से क्या सीख सकता हूँ?

मुझे किस गलती से बचना है?

मैं आज उससे सीखने के लिए क्या कर सकता हूँ?

अब एक और सवाल:

अगर कोई व्यक्ति मुझे अगले 5 साल की गलती से बचा सकता है, तो क्या मैं उसका सही तरीके से मार्गदर्शन लेने के लिए तैयार हूँ?

इसका जवाब सिर्फ:

हाँ या नहीं

में दीजिए।

आज का छोटा Action

आज अपने क्षेत्र का एक ऐसा व्यक्ति खोजिए जो आपसे काफी आगे है।

उसका एक Interview देखिए।

उसकी एक किताब पढ़िए।

उसका कोई अच्छा Course देखिए।

या उससे जुड़ने का कोई सही तरीका खोजिए।

और सबसे जरूरी:

एक चीज लिखिए जो आपने आज उससे सीखी।

फिर उस एक चीज पर Action लीजिए।

याद रखिए:

Mentor का काम आपको Information देना नहीं है।

Mentor का असली काम आपकी Progress को तेज करना है।

Gurujii की सीधी बात

“आप हर गलती खुद करके भी सीख सकते हैं। लेकिन अगर कोई सही व्यक्ति आपको वही गलती पहले ही दिखा दे, तो उसे सुन लेना कमजोरी नहीं, समझदारी है।”

और एक बात हमेशा याद रखिए:

आपको जिंदगी में अकेले साबित करने की जरूरत नहीं है कि आप सब कुछ जानते हैं।

Smart इंसान वह नहीं जो सब कुछ खुद जानता है। Smart इंसान वह है जो जानता है कि उसे किससे सीखना है।

अब हमारे पास चार चीजें हो गईं।

WHY है।

FAITH है।

ENVIRONMENT है।

GURU है।

अब शायद आपको लग रहा होगा:

“बस! अब तो Success हो जाएगी।”

लेकिन नहीं।

एक आखिरी चीज है।

और सच कहूँ तो...

यही वह Secret है जहाँ ज्यादातर लोग हार जाते हैं।

क्योंकि उन्हें सब पता होता है।

वे किताबें पढ़ते हैं।

Videos देखते हैं।

Mentor से सीखते हैं।

Plan बनाते हैं।

लेकिन...

करते नहीं हैं।

अगला Secret इसी पर है।

ACTION — आपकी जिंदगी आपके फैसलों से बदलती है, आपकी इच्छाओं से नहीं।

About Guruji Sunil Chaudhary

मैं कौन हूँ?

मेरा नाम **Sunil Chaudhary** है।

लोग मुझे प्यार से **Guruji** कहते हैं।

मैं कोई ऐसा इंसान नहीं हूँ जिसने जिंदगी में हर चीज पहले से जान रखी थी।

मैंने भी शुरुआत की है।

गलतियाँ की हैं।

गिरा हूँ।

फिर उठा हूँ।

कई बार लगा कि रास्ता गलत है।

कई बार लगा कि शायद अब फिर से शुरुआत करनी पड़ेगी।

लेकिन हर बार एक चीज ने मुझे आगे बढ़ाया...

मैंने रुकना नहीं सीखा।

मैंने अपनी जिंदगी में Education, Digital Marketing, SEO, Business, Coaching और Technology के क्षेत्र में बहुत कुछ सीखा और किया है।

मैंने लोगों को Skills सिखाई।

Businesses को Digital बनाने में मदद की।

Coaches, Consultants, Experts और Knowledge वाले लोगों के साथ काम किया।

और धीरे-धीरे मुझे एक बात समझ में आई।

भारत में Talent की कमी नहीं है।

हमारे लोगों के पास Knowledge है।

Experience है।

काबिलियत है।

लेकिन बहुत बार उन्हें यह नहीं पता होता कि:

इस Knowledge का क्या करें?

अपने Experience को Income में कैसे बदलें?

अपनी पहचान कैसे बनाएं?

Business को कैसे आगे बढ़ाएं?

और सबसे बड़ी बात...

*****“मैं कर सकता हूँ” को “मैंने कर दिया” में कैसे बदलें?**

मेरी Journey ने मुझे बहुत कुछ सिखाया

मैंने सिर्फ Success के अच्छे दिन नहीं देखे।

मैंने मुश्किल समय भी देखा है।

ऐसे समय भी आए जब Business में बड़ा नुकसान हुआ।

ऐसे समय भी आए जब लगा कि इतनी मेहनत के बाद भी चीजें मेरे हिसाब से क्यों नहीं चल रही हैं।

लेकिन आज पीछे मुड़कर देखता हूँ तो उन मुश्किल दिनों के लिए भी मैं thankful हूँ।

क्योंकि अगर जिंदगी में सिर्फ Success मिली होती...

तो शायद मैं लोगों की Problems को इतनी गहराई से समझ ही नहीं पाता।

मैंने सीखा कि:

Failure आपको खत्म नहीं करता।

अगर आप उससे सीखते हैं...

तो वही Failure आपको अगली मंजिल के लिए तैयार कर सकता है।

मैंने एक चीज बहुत करीब से देखी है

बहुत से लोग जिंदगी में इसलिए पीछे नहीं रह जाते क्योंकि उनमें Talent नहीं है।

वे इसलिए पीछे रह जाते हैं क्योंकि:

उन्हें अपना **WHY** साफ नहीं है।

उन्हें खुद पर **Faith** नहीं है।

उनका **Environment** उन्हें नीचे खींच रहा है।

उनके पास सही **Guru या Mentor** नहीं है।

और सबसे बड़ी बात...

वे Action लेने में देर करते हैं।

इसीलिए मैंने यह छोटी सी किताब लिखी।

मैं चाहता हूँ कि आप इसे सिर्फ पढ़ें नहीं।

अपने ऊपर लगाएँ।

अपने जीवन को देखें।

अपने फैसलों को देखें।

अपने आसपास के लोगों को देखें।

और खुद से एक सवाल पूछें:

“अगर मैं सच में अपनी जिंदगी बदलना चाहता हूँ, तो मुझे आज क्या बदलना होगा?”

मेरा काम सिर्फ सिखाना नहीं है

मैं खुद को सिर्फ Teacher नहीं मानता।

मैं चाहता हूँ कि जो व्यक्ति मेरे साथ जुड़े...

उसे सिर्फ Information न मिले।

उसे **Direction** मिले।

उसे **Clarity** मिले।

उसे **Confidence** मिले।

और सबसे जरूरी...

उसे Action लेने की हिम्मत मिले।

क्योंकि आज Information हर जगह है।

Google पर है।

YouTube पर है।

Social Media पर है।

AI में है।

लेकिन Information और Transformation में बहुत बड़ा फर्क है।

Information आपको बताती है कि क्या करना है।

Transformation तब शुरू होती है जब आप उसे करना शुरू करते हैं।

मेरी कोशिश बहुत simple है

मैं Complex चीजों को Simple बनाना चाहता हूँ।

Digital Marketing हो।

Business हो।

Coaching हो।

Sales हो।

Technology हो।

या Success Mindset...

मैं चाहता हूँ कि एक सामान्य व्यक्ति भी उसे समझ सके।

उसे यह न लगे:

“ये मेरे बस की बात नहीं है।”

बल्कि उसके अंदर से आवाज आए:

“अगर कोई मुझे सही तरीके से समझा दे, तो मैं भी कर सकता हूँ।”

यही मेरी कोशिश है।

और अब बात आपकी

अगर आपने इस किताब को यहाँ तक पढ़ लिया है...

तो मैं आपसे एक बात कहना चाहता हूँ।

आपमें भी कुछ करने की इच्छा है।

वरना आप यहाँ तक नहीं आते।

हो सकता है आपके पास Experience हो।

हो सकता है आपके पास Knowledge हो।

हो सकता है आपके पास कोई बड़ा सपना हो।

हो सकता है आप बहुत समय से सोच रहे हों:

“अब मुझे अपनी जिंदगी में कुछ बड़ा करना है।”

तो शायद अब आपको सिर्फ एक और Motivation की जरूरत नहीं है।

आपको एक सही Direction और Action की जरूरत है।

और अगर आपको लगता है कि मैं आपकी Journey में किसी तरह मदद कर सकता हूँ...

तो मैं आपके साथ आगे चलने के लिए तैयार हूँ।

क्योंकि मेरी सोच बहुत simple है:

मैं अकेला आगे बढ़कर खुश नहीं हो सकता।

मेरे लिए असली Success तब है जब मेरे साथ जुड़े लोग भी आगे बढ़ें।

यही कारण है कि मैं आज भी सीखता हूँ।

आज भी लोगों से मिलता हूँ।

आज भी नई चीजें सीखता हूँ।

और आज भी अपना अनुभव दूसरों के साथ Share करता हूँ।

आखिर में बस एक बात

मैं आपको Success की कोई Guarantee नहीं दे सकता।

और न ही मैं ऐसा दावा करना चाहता हूँ।

लेकिन मैं आपको एक चीज जरूर दे सकता हूँ:

ईमानदार Guidancel

Practical Experience।

सीधी बात।

और अगर आप सच में सीखने और Action लेने के लिए तैयार हैं...

तो हम साथ में बहुत कुछ कर सकते हैं।

अब फैसला आपका है।

आप सिर्फ पढ़ेंगे?

या...

अब अपनी जिंदगी में Action भी लेंगे?

मैं हूँ Guruji Sunil Chaudhary।

आपकी Growth Journey में आपका साथी।

चलिए, आगे बढ़ते हैं।

- .
- .
- .
- .

अब अकेले मत रहिए

अगर आपने इस पूरी किताब को ध्यान से पढ़ा है, तो अब आपको एक बात समझ आ गई होगी।

आपकी जिंदगी बदलने के लिए आपको सब कुछ अकेले करने की जरूरत नहीं है।

आपको अपना WHY समझना है।

आपको खुद पर विश्वास बनाना है।

आपको अपना Environment बेहतर करना है।

आपको सही Guru और Mentor से सीखना है।

और सबसे जरूरी...

आपको Action लेना है।

लेकिन यहाँ एक समस्या आती है।

जब हम अकेले चलते हैं, तो कई बार फिर वही पुरानी चीजें शुरू हो जाती हैं।

Doubt आता है।

Confusion आता है।

Motivation कम होता है।

कभी समझ नहीं आता कि अगला कदम क्या है।

और फिर...

हम रुक जाते हैं।

इसलिए अकेले मत चलिए।

Join Career Building School

अगर आप सच में अपनी **Knowledge, Experience और Skills** को एक बेहतर Career, Business और Income में बदलना चाहते हैं, तो मैं आपको **Career Building School** में आने का निमंत्रण देता हूँ।

यह सिर्फ एक Course नहीं है।

यह एक ऐसा Learning Environment है जहाँ आपको:

सही Direction मिलेगी।

नई Skills सीखने का मौका मिलेगा।

Practical Strategies मिलेंगी।

Community का Support मिलेगा।

और सबसे जरूरी...

आपको अकेले सीखने और भटकने की जरूरत कम होगी।

Digital Tejasvi Program

अगर आप सिर्फ सीखना नहीं चाहते...

बल्कि अपने अंदर की Knowledge और Experience को इस्तेमाल करके **अपनी पहचान, Income और Impact** बनाना चाहते हैं, तो हमारा:

Digital Tejasvi Program

आपके लिए अगला कदम हो सकता है।

यह उन लोगों के लिए है जो:

- अपनी Knowledge को आगे ले जाना चाहते हैं
- अपनी Digital Identity बनाना चाहते हैं
- Online दुनिया में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं
- अपनी Skills और Experience को Income में बदलना चाहते हैं
- और एक मजबूत Digital Future बनाना चाहते हैं

आपको Tech Expert बनने की जरूरत नहीं है।

आपको बस सीखने की इच्छा और Action लेने की तैयारी चाहिए।

बाकी रास्ते पर हम आपका साथ देने की कोशिश करेंगे।

अब फैसला आपका है

इस किताब को पढ़ने के बाद आपके पास दो रास्ते हैं।

पहला रास्ता:

किताब बंद कीजिए।

कुछ दिन Motivation महसूस कीजिए।

फिर जिंदगी वापस पहले जैसी चलने दीजिए।

दूसरा रास्ता:

आज एक फैसला लीजिए।

सही लोगों के साथ जुड़िए।

सही Direction लीजिए।

सीखिए।

Action लीजिए।

और अपनी जिंदगी को धीरे-धीरे उस दिशा में ले जाइए जहाँ आप सच में पहुँचना चाहते हैं।

मैं चाहता हूँ कि आप दूसरा रास्ता चुनें।

WhatsApp Tejasvi Now

अगर आपको लगता है:

“अब मुझे अकेले नहीं चलना है।”

“मुझे सही Direction चाहिए।”

“मुझे सीखना है और Action लेना है।”

तो आज ही हमसे WhatsApp पर जुड़िए।

WhatsApp पर “TEJASVI” लिखकर भेजिए।

हम आपको **Digital Tejasvi Program** के बारे में पूरी जानकारी देंगे।

WhatsApp TEJASVI Now →

आपका अगला Chapter शायद यहीं से शुरू हो।

एक आखिरी बात, मित्र...

आपके पास Knowledge हो सकती है।

Experience हो सकता है।

Talent हो सकता है।

लेकिन अगर आप उसे इस्तेमाल नहीं करेंगे...

तो वह आपके अंदर ही रह जाएगा।

आपको Perfect बनने का इंतजार नहीं करना है।

आपको बस शुरूआत करनी है।

आज।

अभी।

एक छोटा कदम।

फिर दूसरा।

और फिर...

आप खुद देखेंगे कि जिंदगी धीरे-धीरे बदलने लगी है।

अब अकेले मत रहिए।

Join Career Building School.

Join Digital Tejasvi Program.

WhatsApp “TEJASVI” Now.

Guruji Sunil Chaudhary

Digital Success Coach | Digital Coach Business Mentor

Jai Sanatan. Vande Mataram.